

DPN 5978

Title : [॥]मे सफू ME SAPHU

Run. No. 6669

Cat. No.

Micro. No.

Subject ॥ / songs

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / Hindi

Size in cms. 11.5 x 9

Folios 55

Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

प्रतापमान शाक्य
Pratap Man Sākya

Date: NS / SS / VS / KS 970,

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu / Indian

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

P. T. O

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

0 cms.

5

10

10

5

(आगवाधमासः॥ ॥ हृदः सिलसमक क कि स्वानं २
 कदलहलमनिकगलसमलमात्वाकावासः॥ हृदः
 कपालसकिस्यकलक्षुर्ज्याकज्ज्यां, याउजिउध
 ग्रहमासः॥ १ ॥ श्वालउद्गलिया २ मिश्रावाः
 नयलहलचंदनक्षुर्जः॥ अमिकारुअसिलसकसप
 लस्वानकास्यासः याउजिउधग्रहमासः॥ २ ॥

हादः ऊअसर्वधू २ स्वअमनचिंददव ऊअसल्लिक
रुहलः ॥ काआयाअवाल्लुकिगयाअकल्लुका
याअजिउधनहनासनः ॥ ३ ॥ हादः गसल्लकय
गरेसाकल्लुयद्धनस्थजिर्नरुयाअनः ॥ दका
लाकहाहाकाअमिआसम्भाविकस्य संसालगाथः
रुद्धालः ॥ ४ ॥ जिर्नउधया नाथल्लकाकिध

यानऊययाककाअसिधरुयाअनः ॥ धंदधायला
कनाथनथसविअनाअननवगसविअकलः
॥ ५ ॥ हादः दयालयाद्धुयकिधुचिंदमाहाआऊ
याअलाकयजायकियालः ॥ लककनल्लस्य कल
दानथासद्धमावीस्यनयकिधीननवाहाइ ॥ ६ ॥

१ जाग ॥ बाधमास ॥ ॥ हादसिलसुकनकि
 खान ॥ कंदलहलमनिकगलसप्रत्तमाता
 काखास्य ॥ ५ ॥ हादकपालसनिस्सुनल
 शुजयानजर्थ ॥ याअजिनउधप्रहता
 स ॥ १ ॥ हादखालउनहगुलियामिखावा
 नमलहलः सुसुनल वंदुशुर्ज ॥ अमिता

हसिलसतस्यपलेखानजासायास्यः याअ
 ॥ २ ॥ हादउअसर्वधूदनः खअसनजिंद
 दवः ऊअसललितरयाअ ॥ काखायाअवा
 लशुषिगयाअककोतकः याअ ॥ ३ ॥ हा
 दगुसलद्रपगुः वेअषकषपकः जधसजि
 कूरयाअन ॥ हाददकोलाकहाहाका

लमिखाम्वावित्तम्यः सीमा जगत्थ इच्छालः
 याज ॥ ४ ॥ हादरि कृ उद्वाजयानादालीको
 तिष्मानजपः यातका जीमिधरु याजन ॥ धृद
 धायलोकनाथजथसञ्ज्ञनाजीः जसन्वर्गास
 विष्णुकः याज ॥ ५ ॥ हादरुपालयाकृ
 नृपतिष्ठिर्जिदुमाहाजाज याजालोकपज्ज

पुनियाज ॥ झाककनल्लास्यतल दानथसकृ
 माविम्य^न जपतिष्ठिर्जिदुमाहाजाज ॥ ६ ॥
 रजाग ॥ जमुनि ॥ ७ ॥ माहाजाजाधिजाजजा
 ब्रह्मर्षिहिसमि ॥ ८ ॥ इगकालिहआदिन
 विष्णनाजामहजस २गनिपउधजयाकक
 ष्ठीहिसमि ॥ माहा ॥ ९ ॥ वनजवपालयास्य

अन्यगविजमाल २ मालासुकेधिर्वध्याकञ्ज
शीहिमजि ॥ माहा ॥ २ ॥ कलत्वा कपसंग
सपाधिउमताहस २ धकनालानिजाहलस
मम् शीहिमजि ॥ माहा ॥ ३ ॥ खापसल
कयल्लकंसनसिजः जम्लील २ ह्यामानिल
अहसविष्कशीहिमजि ॥ माहा ॥ ४ ॥ ल

अजिहासलपिपीजयपतीशुकमञ्ज २ न
जिअलगवयकमुलिशीहिमजि ॥ माहा
॥ ५ ॥ कापलनअनयसकायचिनिनि
अलितास २ कामनिदवधसः समम्
नेमजि ॥ माहा ॥ ६ ॥ निलपलपस्या
हनामानिमानिकस २ पस्पयाऊयक

५
नडाऊशीहिसि ॥ माहा ॥ ११ ॥

पूजिनगप्रसू पंचपीयूवहिसस्यन

प्रपतिहिसस्यन नमामुशीहिसि

॥ माहा ॥ १२ ॥ माहा रात्रथसंगमसम

वमदूकिशरुचि २४ दधयधूतासुनस्या

ककशीहिसि ॥ माहा ॥ १३ ॥ सीसाल

नरुगननशुनयनाहिसस्यन २५ रुअ

समदूकि विनानशीहिसि ॥ माहा ॥

१० ॥ पृथिनाचायनयाधनियाहूनजिदू

नासः शुचिजाऊयानाविडावासः हिस

॥ माहा ॥ ११ ॥ ॥ = शुह

॥ ॥ मेवमदुष्टो सरनजि वया ॥
तव धजसि ताया कोस वन सजी
नाव ॥ नीमाल माकू पाद याथ्ये
नादय माल ॥ १ ॥ विनीतो यावि
सुलि र्वे वाना वजि कल्प पुनु ॥ गृधो
थन नीमाल र्वे पुनु पुस्ये वना ॥ २ ॥

थ वनु गले मी दना व पुा त सजा का वा
वना ॥ लेख ना धि रे या ना व सी ति क न
फुल ॥ ३ ॥ गन व न्ये गन बो न्ये व न्ये
था स म दु पु नु ॥ म हि ड न ह्ना ना वो
न पु नु वी प ती इ वा ल ॥ ४ ॥ ॐ ॥

७
[१] ॥ देष्टानं छुमाय कसमा फला ॥ कुं ॥ दे
सुतीमानि दुयानि लीना वदल धनी ॥ दह
नसः सानजीवना ॥ देष्टान ॥ १ ॥ देध देध
देजि मायेन नागलोक सजीवनेन ॥ नाग
[२] जादलनमाना ॥ देष्टाना ॥ २ ॥ देनागा
जापादयानि सलजिता ॥ भलमानि

वोधकीयातला ॥ देष्टाना ॥ ३ ॥ देदह
नया मोसै बोना लायवया त्रासकील
॥ नागाजापाना वबोने ॥ देष्टान ॥
४ ॥ देनागाजापादयानि नसै वाया
पदलस ॥ दहनै धतलो पादल ॥ दे
ष्टान ॥ ५ ॥ देहाकस अनाथजनः श्री

८
तत्र पाशानाम् ॥ कृजोति स ह सुवीनति ॥

देष्टाना ॥ ६ ॥ ॥ १ ॥ नमो वृद्धाय ॥

तत्र ॥ वीजाम् ॥ उरुजः जये नमो श्रीगौरी

पुत्र जगदानः रूविनी वनस विज्याकः

॥ ७ ॥ ॥ १ ॥ वृष्टान वपु येका वृष्टा श्रुति

वसलायेका ॥ अलंकपुर या ननुकु

ये न धनजालायेका विज्याका ॥ १ ॥

कायदेवी पेशान गाययेका अग्नीदेवी

पुपधानका वरुन नाम नागराजी

कलधा एकायेका विज्याका ॥ २ ॥ मा

दादेवी दमरु थायेका नागमर्मा

त्वं पुष्पे का जन्मराजी दन्दजेन का व दन्द
 मालाये का विज्या क ॥ ३ ॥ ईन्दु नीध त्रैकु
 मे का भिदु गनः दामोदरः गाये का आका
 सनः स्थान वा गायका वः आनन्दु नीधे ज्य
 क ॥ ४ ॥ नईरिते ग्याना का दक्षो जगः
 महिलनः मेख नागया सप्त विज्या मेः
 पुजा नायक पा व ॥ ५ ॥ वनगजः रत्नमा

(१) श्रीगुरुदेवमाहात्म्ये कथं अना
 धजनः गुरुयाद्वेः स एन वया वा गुरु
 नु जयेन मोतिरिषधः मया वा न हीव
 निवनसाविज्या क॥ ६॥ ॥ ॥
 राग॥ विरहिनीवाद्गुमास॥ गुलितफ
 सात वियेतेनाकृष्णः दर्शनविवर्जित
 कहरागलयावरे॥ ७॥ येन तस अजु

स्वीदोयाचोनवनसवेदाय बुवास्या
 नगुलाफ बुवस्या ॥ जास्येवलसिमाया
 वसंतमाजुजनगधेयानावनेपुमु
 द्विविनानरे ॥ १ ॥ जेठसचमेलीच
 वस्थानजिलस्वी आथाठसि द्वाज्या
 नदोयाचोनचैपास्या ॥ गीव्याया

श्रयागुयनेमदुयतलेचोनमदुश्रुनजनम
 दुवालरे ॥ श्रगनरकस वनेगुधुगुलोक श्र
 उनेलाधुजनदतासनरे ॥ ५ ॥ लातलेमालपेमफु
 मलायवेसनक्षेनमात्रनफुरपुरे ॥ लानानेमाये
 मदुनरयाजन्म लातलेधुगुलिशरीररे ॥ ६ ॥ य
 यागुयनेमदुयतलेचोनमदुयेनिवजनमदु
 वालरे ॥ वीधिवजनमदुतपनेमपुरजनधनपने
 मफुमा मगुगनरे ॥ ७ ॥ १४ ॥ १२ मालेबेको

राग आ बरि तल प्रताल ॥ ॥ मनी बुर सरि
 ल के मां सः दान करि ये ॥ ५ ॥ गुरु के आ ग्या
 स नी ये रा जाः नीरंगतजः ग्य करि ये ॥ भा
 री सिः सब जन आईः मनो हर जग्य
 करि ये ॥ मनी बुर ॥ १ ॥ ए से भव सर
 ख वरन पडु येः ईद छलन आई ॥ धुर ॥ २ ॥
 मां सदान दे हो मनी बुर चौ दिन भोग न पाई ॥
 ये से भोग कि पिदास मारो रक्षा करि दे पुरत
 ॥ धुर ॥ ३ ॥ मातन गुरुः मृतन पडे माग्य

महल वहाल प्य माल वालख ॥ २ ॥
 अयू ववा विमं नज जिपानि मखना
 भा ॥ विलाप सा ॥ मा मी वा धा वरमा
 लः वालख ॥ ३ ॥ मा मी विया अिन व
 हल मलु कि मिद ॥ जिपानि मलु
 पाश विन नय माल वालख ॥ ४ ॥

आश्रय आ वृवा साउ दज सुन साश ॥ थू

उलिज न्म सु वृवा दज सुन गगत वा

लख ॥ ५ ॥ ॐ ॥ १ प्राग ॥ ॥ अथिज

थम पिज क्वा यानि दान साय पज उ

पकाज ॥ ६ ॥ ॐ ॥ अति द्रव न द्या उ

ज सुन थ अहि न अ वा न्या उ रु अन

उ ज्ञा न सु अ ता उ वा न ज सु अ

ग स्वा न ह्य सा उ ॥ २ ॥ अति न उ

विज रु स्य वा न व न अति न सा जि न

ग न्या उ २ वा ल ख ग रु न पि ता सा व

थान पान म ल नि थ्य वी न ॥ ३ ॥

र व ना उ अ न अति क चू ना उ त्प ति रु सा

शमनहिला २ रुद्रा ३ अहस्यलित दकाथ
 उदित अना अथ मया कतना ॥ ४ ॥ दकासि
 लया नाया अति जहिलुः वाया अहि माया चासु
 रान्या अया थासु किरा अगलसु हागावे
 लथ अमीस ॥ ५ ॥ जयम जयम याक अ
 धयम इयया सुगीतिनाम २ हाक अया

धूलि रुद्रकि पापगुलि विदू न संजन
 रिपालि ॥ ६ ॥ ॐ ॥

राज यावली ॥ ॥ याह ने लोक
 से न तिरन्व या चरन सस्य वा
 नगनि नया वरे ॥ ॥ नदि
 वृत्ति जसे नरया अमय वरधि

१५.
 रं मचौ ग्राथन्याकरे ॥ नरमानमजुम्ये धरमम
 धार्म्यं लिपितमनरकमलायुरे ॥ १॥ मोदया
 वम्ये गुम्ये माया नतोकपुम्ये मखनधरमपिषा
 नरे ॥ मया कपरहित ममाली वदुर्गति वयाव
 मरनया कालरे ॥ २॥ बालकमखेल लपू वाहास
 ममालपू ज्याठस अलीसि दुर्गालरे ॥ वाया वव
 नेमानी मवलथ वनाप पिरति जनधनसंप
 ती ॥ ३॥ गिरि वलगे कुल योस वी ज्या कधर्मधा
 तु ज्योतिरूप स्वयंभु ॥ वम्यो लया म्ये वाया म्ये म
 मालि वदुर्गति लायुव परं तु मुखावति ॥ ४॥

एथ अकार ई. आवे लवन को मृग २ शांत
 विस्तार दसन करी के मृग से एथ चकार ई.
 ॥१२॥ आ सेल छलि मा. ब्रह्म न थरी मा.
 मा गेल पुत्र को एथ २ थरी मा दे वत बत
 एगल मा गी. एथ दान दी मो दे ॥१३॥ को कि
 ल म पु. कल मुल दे वी के देखो तपो वन
 प. रु. के २ आदी रुद्र की. जपत प करी के का
 एन ज गत उ था गे ॥१४॥ आ सेल ई. रु. ब्रह्म
 एगल मा गेल का ल सदानो २ एगदी तपो. पु

प्रपुत्री दो सुदान दे दो ॥१५॥ वालव को मा
 ता कल मुल का न वन में हुल हाग यो २
 माता आवे वालव दो नो खई सादान ले दो
 ॥१६॥ का को ले दो पद्म दाता मुख आया
 निनु माते २ माता आवे माया लगे के से
 दान दे दो ॥१७॥ पुत्र पुत्री दान समाई ति
 लकु स महीन २ जाली कुमा हूभाजी
 नि खई सादान दीयो दे ॥१८॥ धई दे लुम
 दो पद्म दाता मुफल का ज्ये लुमाते २ वा

लव लुम को बुझि हमारे चल दो हमारे
 देस ॥१९॥ विनति हमारे गुअन लुमाते विनी
 न करे क्षण मात्र २ माता आवे दृष्ट न करी
 के पिछे लुम सींग आवे ॥२०॥ ओ में वालव
 हम नदि पुछे चलो दो हमारे देस २ अई का
 [को थ धरी के धाप कर ज वर ज स्ती ॥२१॥
 धीज करी पसे भगिनी लुम दो आ फरा कर्म
 की लेखा २ ए भेस जात गुअन नरुपी निश्व
 ये लुम दाम खाई ॥२२॥ भगिनि लुम दो हूभा

जिनि करीये दस नदीपिता को रीपिता विहीत दस
न करी को ब्रह्म न सँग चलाई ॥ २३ ॥ आयेल माता
फूल गुलली से के देखो तबाल बदनो र का हाग
इष्टा न कि बाल ब दरे दरे को जी ॥ २४ ॥ की ज
ल मे दु की ग मो की की व ल के दु न ग मो र बो
ज दा बो ज दा न दि पा या करी ये व हु त की ला प ॥
॥ २५ ॥ धी ज करी ये मे म दी ल ग नी मु ल हो काल ब
की का त र ब्रह्म न आई काल ब मा नी न र ई दा दा
न दि यो ॥ २६ ॥ आय ल नि धो वृ ध रू पी मा ये ल
म दी ल ग नी र धर्म पु त्री का र ल पु नु के पु

वे द न दे दो ॥ २७ ॥ श्री धा दे वि क रू ला ला
नी पु से द न दी यो र स्ता मि वी री त र द स
न करी को नि धो सँग चलाई ॥ २८ ॥ पु नु
नि ज ल करी ये क ध्या न का न ज ग म उ धा
ते र ज न मा वि री त र मा दि मा पु ल ल क वि री गे
त व ना यो ॥ २९ ॥ क व त क मा मा मो द ल ल ले ल
मु ग त की ल ल म पु का ले ॥ ३० ॥ ११ ॥ १४ ॥ २३ ॥ ६ मा
ले को को:

३६
राग ॥ नुयो रागि ॥ श्री गायत्री जपत जयाये ॥ धूर् ॥

रागवी भासता लपुता ॥ अवस्य दी
स्तीत षना ॥ धूर् ॥ नो मंतया नावः त
~~रागवी~~ या ह्य देवः वीज्या कश्चि भ
गवान् ॥ गव्यो न रूपं न धनं वीज्या कः वी
वीत्रवस्ततीयाव ॥ हे पीता ॥ ४ ॥ सुव
र्णमनुकसः ययती कुंदलः गलसम
मी कयामाल ॥ अने गरत्नयाः दीदी

लीकापीन्दपात्रः जो नाव रसमवी
ज्या क ॥ हे पीता ॥ २ ॥ धनीया दी
नसः श्रीः दानसाहासवी ज्या क
श्री भगवान् ॥ दनके हस्तसवी
नगुपीन्दपात्रः षनाव आनन्द
गुल ॥ हे पीता ॥ ३ ॥ स्वीवायापी
लजाथलावपीन्दपात्रः लव
स्त यत्पनावेलसधाल ॥ अने

ग. आ. श्री. ध. वि. ध. वी. या. व. का. र्थ. नी.
ॐ न. ध्या. न. जु. ल. ॥ हे. पी. ता. ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
रा. ग. प्र. थ. मं. ज. ही. न. ल. पु. ता. ल. ॥ य. नु. स्व.ामी.
या. न. ना. थ. सर. न. जी. व. या. ॥ ५ ॥ ती. री. जन.
अ. ग्या. नी. या. ग. लं. थ. या. ग्या. न. पु. नु. ग. अ. प.
मा. न. दू. ष. वी. स्य. न. या. जी. न. दी. न. रे. ॥ ६ ॥
वा. ॥ हि. ग. या. ग. अ. प. रा. ध. जो. ल. म. न. के.
मा. ल. पु. नु. ॥ ती. री. या. वी. न. ती. न्य. स्य. क.

रु. ना. न. य. मा. ल. ॥ ७ ॥ २ ॥ हर. न. जी. या. य.
ध. का. रु. स. म. रा. जा. व. या. वो. ना. वा. स. न. वो.
व. नु. या. दे. स. घी. रे. या. त. पु. नु. ॥ ८ ॥ ३ ॥
म. हा. रा. ज. व. क. व. ती. जो. ला. मु. ल. द. ल. पो.
ल. ॥ हा. क. ल. अ. ग्या. नी. या. त. क. रु. ना. न.
य. मा. ल. ॥ ९ ॥ ४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

रगमरवातातषजती॥ न्यद्रुन्यश्रीनई
रववीनतीषहायागर्क॥ मया^{नी}हुसीवा
जीनजंतुपाय॥ यानायानाजतन
समश्रीवडोकाई॥ व॥ यायमफुव्य
नीजीनकलयावीहा॥ मयास्यमजी
सेचोनलोकसयाकिया॥ २॥ म
वातपनीसथवः वसतयावान॥
लातकेमफुतव्यनीः मनसअवीमान

॥ ३॥ इतजगवः ववक्षस मदुघासा॥
वाहावन्यदेससोयज्जयादूवाला॥ ४॥
थोजगसनीधः सनः स्वाक जेनसीक।
इषयाषहानाजीनमडु वपत्ता॥
पा॥ धवधकावयाजीनअनेगया
आसा॥ सीवायानाचोनासनमया
कवीचाला॥ ६॥ हाकहाअनारी
सेयाहुन्यडधा॥ ७॥ इषहाना
समुद[हो]न्यजीपा॥ ८॥

२ जाग आ सावलि युगः ४॥

ववा रुपा वचन स रुध जना वा ल जा
नि ॥ महि दु स न जा जा या थ स ॥ हा
य २ म ना ह जा नि ॥ १ ॥ कार्व नि क
द स या य र्जा लो क द को जा नि ॥ ध ज
म स न या अ भ स न द ल श्राना ॥ हा
य २ म ना ह जा जा नि ॥ २ ॥ हा जे २

जि क ज म पान पि या जे अ ना अ न
ग स य ना स म ष ना थ्या वि आ ग रु ल ग
हा य २ म ना ह जा जा नि ॥ ३ ॥ हा य २
रु द जि रु ग न मा हि नि जा नि ग रा
न अ ना थ ल अ न्य अ कृ पान पि
या जे ॥ हा य २ म ना ह जा जा नि ॥
४ ॥ जा रु म ल क द क मा या ना ल ना

अगमनाहजापियाजिमातुजिअन्य॥

हय२मनाहजाजानि॥ अग ८८००००००

जग ॥ पुजवजविनभूमजः

रजमकोहिनहीम्यजीग्वाहाज॥

वीहवभासकेमुलुकरुहीजः देवी

यभूमानीहमाजः समिहसाजी

सजननजननकुमाजी॥ १॥ गोप

नीधुध्वीवीजः जसकमसहीज

नदबीमजखव॥ डीनडीवसय

हीकाजत देवीयहगन ५ धा

॥ समिहसाजीः सजननजनन

कुमाजी॥ २॥

१५
१०
५
० cms. 5 10
क्षेत्रवृन्दे ॥ गिरिवानजुधवि क्रमरमाहा
गजायायेकसहो ॥ ४ ॥ ७४ ॥ २ ॥ चारमाः

रगवर्तत ॥ ॥ विद्यात श्रीमहासंजुमुली
[सननेपाल ॥ ॥ ॥ श्रीद्वयासमगस्ये च
दुहाम ॥ ॥ ॥ नोमोस्ये नीहदेवीपनीमाथ
मास्ये ॥ ॥ नोमोस्ये नमः सुवर्ग्यापत्ये

चोम ज्योतिरूप स्वयं भुवि ज्योति ॥१॥ काली
 पापमु बन् नागराजापनीजन शिथीरुसया
 नात्र चोन ॥ अर्द्धगार्दद्वयना लवसकवा
 प्रेय्याना कांकोतलपर वतसविज्याम ॥२॥ दे
 वदैत्यमनूष्योया मनयाभावस्वया पारव
 तध्येनालं बह्वेल ॥ नागराजापनादया
 ददनस वासविद्या स्वयं भुयादूर मनया

त ॥३॥ कोकिल आदिन चक्रपान दृष्ट
 न अने गजलपंछी वास ॥ नेपालया द्र
 तपतीतित्रिभुवन विक्रमसाह पजालोक
 प्रतीपालया क ॥४॥ ७४।११।२५।३ मालेबले
 त ॥ आमा व्री ॥ लाल प्रताप ॥ ॥ माने
 बुमिर् के मां स दान क रिघे ॥ ५॥ ७५।११।२५।३

आग्या मूनी योगजा निगित जग्ये करीये ॥ ७ ॥
 ईदो मूनी सवजन आई मनोहर जग्ये करीये ॥ ८ ॥
 निचूर ॥ १ ॥ ऐस्यें अवसर खवान पडु वे ईउ
 हुन न आई ॥ १ ॥ अक्षे सको रूप धारी के जग्ये म
 खे मे आई ॥ मनी चूर ॥ २ ॥ मी सदान दे हो म
 निचूर वौ दिन भोगन पाई ॥ ऐस्यें भाग करी

पिदादा मारो क्षा करी दे तुलित ॥ मनी चूर ॥ ३ ॥
 भातन वुरे मनुन पूछे माग्येल सदे की मीमा
 ऐस्यें तर्प कर देखित कर म्य सवजन भागल
 भागीश मनी चूर ॥ ४ ॥ मूनी योगक्षे सदीप्ति
 कि कर्म वित्रस्यें भिन देखी आई ॥ ईह दम
 मी की नृज विमोस भोग करी ईक्षा पूर्ण ॥

मनीचूर॥५॥ पीवत राक्षोस रगत विमोक्ष नृपातिके
 प्रानकथीन॥ मातापिता स्त्रीजन पूत्र अग्रहो
 मरुकाविलास॥ मनीचूर॥६॥ मूरन मूर्नजिन
 सब आई देखी धीदे मनीचूर बोलाई॥ दान
 की काण कोमल मरि वीत्र मेमति दे
 लाई॥ मनीचूर॥७॥ ऐं स्ये दाला देखित आई

देकि सीस॥ ऐं से नये कर देखित कर्म सः
 वजन भागल भागी॥ क्र॥४॥ मुनिये राक्षो
 स दीसा कि कर्म चित्र से नैन देखवाई॥ ईह
 हम सर रकी रगत विमोक्ष भाग करी ईक्षा
 र्ग॥ क्र॥५॥ पीवत राक्षोस रगत विमोक्ष
 नृपातिके प्रानकथीन॥ मातापिता स्त्रीज

तग की ॥ नेपाल या मिल मनीर नमो वज्र
 जो गिनी ॥ जि फोल ललान या उ नर स्व गल
 मिषा न स्व स्ये हे ॥ १ ॥ मिल स व नु मा र्था
 कर मनि माल नै कोषा स्ये हे ॥ २ ॥ पु सु रु
 न हि ला स्य स्ये २ थ व ग ज त थ म नै स्व स्ये
 हे ॥ ३ ॥ जनाने नै पु त कि था णि २ अ ने ग या
 रु स्य हे ॥ ४ ॥ स क स या वि नी ते २ के णि म ते पा
 प मा जो हे ॥ ५ ॥ पु स ल वी णि ये द स २ वैन

ल ज ये न मो रु ध दे व धाल ॥ अ ग्या नि नू हा
 स्ये त ल वि न ति ष द या ति व कृ जो णि म द श्र
 वि न ती ॥ ६ ॥ ७ ६ १ १ १ २ २ १ ५ माले वे दो
 तग ॥ ॥ चो त ली ॥ क व त द मा या मो द न
 खे ल सु ग त की ना म पु का रो ॥ ८ ॥ ज
 म भ ई शे ता ज द्र मा रो वि र्म त ना म व र वा
 णि २ व रु त दा ता प द्म ता गि मा ल की
 स्व ष पू रा या ॥ ९ ॥ म धु र वा के रि म
 ल वि त को म ल पू न्ये म रि र र श नी व

लाने कुछुनही माये. कान जगजग
 धारो ॥२॥ चारो कालन मीली दे आई
 हस्ती मागन आई २ जो जो माग्ये
 सो सो दाता. हस्ती दाता ही यो है ॥३॥
 ग्यानि कहे तुम. परम कमा हो. गुनी
 कहे अवतार २ अज्ञानी दुनीया:
 सब जन कही ये. ना ले ना स कमा हो
 ॥४॥ अज्ञानी दुनीया. सब जग माली
 दे. दोला मागता आई २ ओ ते मुलूक

दु. आ फेरु पधरिये ॥ राजा की मरिह निम
 ल करी के आपु गये. स्वर्ग धाने ॥ मनीचू
 ॥८॥ कदल अग्यानी. मुनो आई माधू. ऐ
 स्पे त्यागी प्रमाण ॥ मीसमो. दान को तो
 प्रमागती. पद पाई ॥ मनीचू ॥९॥

०४/१२/५/२ माले बेदो.

॥ १ ॥ वहीत ॥ आदीवृद्धनामकात्मे आर्तगिनेया
 मे ॥ नमोवृद्धनामकात्मे आर्तगिनेयायेगाधुः ॥
 दादादेः माहाधराजापुत्रमाहासत्वनामदनः
 पायातउपकायाकः ॥ रसनीक्षितलवल्गुन
 नकुसुमथ्येनः धीगिनीयाः माहाकः सुवनः
 ॥ ५ ॥ ॥ ५ ॥ ध्यायायेमालः मायादको तोलताव
 थवगुमिप्रदानविल ॥ धीदे २ धकाधानव
 लाविष्णुमदेत्याः आकासनः स्थानः दागाकाह
 ल ॥ ५ ॥ भूवनसमदुर्लभः करुनायाधनीज्ज

तापनः सहलपेमफयाः विवर्जितैर्द्वि
 नैमित्तलननानरे ॥ २ ॥ भावरागमासेषु
 ॥ १ ॥ दीराजः भादुवपलेखानउफो
 लचवत्सी ॥ बालिभारिउतः सवल
 समुदरः मिथानवोविदालद्विउ
 विरहनरे ॥ ३ ॥ आश्विनतुलसीलि

वीजिफोस्वान काती क ग्यानीधरः
 गोदावरिस्वान ॥ सरदारिपुयाचु
 विनामन उइनेथ्येनेनाछि विनानरे
 ॥ ४ ॥ मीतिरके वरा होया चोनदा
 फोस्वी पोषसवधुमहुसिहाम
 दुस्वान ॥ हे मीतरिपुयाचिकुसद

पायेमफया वाहे संसना चोनाछि
 पुआसारे ॥ ५ ॥ माद्यसामिकुस्वी फा
 पुनतकभलुस्वी होया वशितिरसः म
 नजिमचोनरे ॥ रंगलिते मन ओतिः
 छि के जुलरे पुग्याना विवाजेतः
 समुद्राछि समानरे ॥ ६ ॥ १०० ॥

६ जागा॥

॥ वालुषडिपनिधूलिदूष

कृश॥ संहसविनिरिशाशः श्रानन्दनश
 ॥ ॥ धूर् ॥ अश्रदाश्रुजालिकुमाजमि
 जिह्रुतथानि॥ कजुनाकृपामदूजाऊ
 मनहल वालुष॥ १॥ कं हं मे श्रुहृन्ना
 जिनीनामुचाश्रमन॥ कजमसुचा

अवतदननदी कलमसर्वनाम॥ ५॥ दु
 वजपोहं प्रजापतीको देवकीना
 मपुकाते २ पुत्र आई प्रजाधामा
 आपुनपोवनआई॥ ६॥ मातावीता
 दललगाकरिदे अतपुमेआई २ धी
 र्करीपुमे तपोवटागआई वनको
 लवकदे॥ ७॥ पुत्रवीनामे गि जल
 धीदे रक्षाकरदे मे गेगाग २ उव

नदी मुखवनसे आपुन सँग चलता है ॥ ८॥ ६
 नीयात कहें मै गलगाई प्राद्वरगलसी
 प हाई २ पुत्र पुत्री मदीत करी के मनो ह
 एथ चलता है ॥ ९॥ दुनीया तुम हो सब जग
 लोक फिर हो आका देस २ अपाए लोक
 नरकी जन्म है स्वर्ग को नाम न हो ले ॥ १०॥
 अत्रे दत्ता वक्तृनी के नुरि गमा ग
 आई ॥ एथ अकार है नुरि गफु का है सो
 ईशा दान ही यो है ॥ ११॥ देखो तपु भुको





15

10

5

0 cms.

5

10

लालिआ

मि

जी.सी. बारा प्रगनाटा

कभी मध्य तो जे वस

दिल का की लीया वा

तनी ज का पा समीले

15

10

5

0 cms.

5

10

